डिस्लेक्सिया : एक लर्निंग डिसआर्डर

➢ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में शोधकर्ताओं ने 'डिस्लेक्सिया' नामक रोग के बारे में कई अध्ययनों को प्रकाशित किया है, जिसमें इसके संभावित लक्षण, प्रभाव एवं संबंधित स्थितियों का उल्लेख किया गया है।

➢ डिस्लेक्सिया :

- इसके लक्षण सामान्यतः बचपन में ही दिखाई देने लगते हैं।
- इससे पीडित बच्चों को कक्षा में पढाए गए सामग्रियों को पुनः प्रस्तुत करने या वर्णन करने में समस्या उत्पन्न होती है।
- बढते समय के साथ व्यक्ति में पढते समय अक्षरों, शब्दों या शब्दांशों को छोडने की आदत उत्पन्न हो जाती है तथा लिखते समय कई गलतियों को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति आ जाती है।
- यह एक प्रकार का 'लर्निंग डिसआर्डर' है, जो दुनिया भर में 5-10% लोगों में होता है।
- इस रोग की एक विशिष्टता है कि यह जीवन भर व्यक्ति के साथ रहता है।

➢ पीडित महान हस्ती :

- डिस्लेक्सिया भले ही एक प्रकार का लर्निंग डिसऑर्डर है लेकिन यह पीडित व्यक्ति के बुद्धि (IQ) या रचनात्मक प्रतिभा पर प्रभाव नहीं डालता है।
- पूर्व में कई ऐसे डिस्लेक्सिया (डिस्लेक्सिया से पीडित) हुए हैं, जिन्होंने वैश्विक प्रसिद्धी पाई है, जिनमें शामिल है :

1. अल्बर्ट आइंस्टीन
2. लुडविग वैन बीथेवेन
3. अर्नस्ट हेमिंग्वे
4. अगाथा क्रिस्टी
5. चार्ल्स डार्विन
6. व्हूपी गोल्डबर्ग आदि।

➢ कारण :

- शोधकर्ताओं के अनुसार, यह डिसऑर्डर मानव मस्तिष्क के एक विशिष्ट भाग के संरचना एवं कार्य से जुडा हुआ है, जिसमें परिवर्तन से यह उत्पन्न होता है।
- मानव-मस्तिष्क का यह विशिष्ट भाग 'विजुअल थैलेमस' कहलाता है, जो आँखों को सेरेब्रल कॉर्टेक्स से जोडता है।
- यह भाग तर्क, भावना, भाषा, चेतना, विचार, स्मृति आदि के क्षमता के लिये महत्वपूर्ण है।

➢ कार्य-प्रणाली :

- आँखों से प्राप्त दृश्य जानकारी को मस्तिष्क के 2 अलग-अलग भागों में अलग-अलग कार्यों के लिये संसाधित किया जाता है।
- बडा भाग रंगों को जबकि छोटा भाग गति और तेजी से बदलती छवियों की पहचान करता है।
- पारंपरिक चुंबकीय अनुवाद इमेजिंग (MRI) के द्वारा विजुअल थैलेमस में संरचनाओं की जाँच करना बहुत मुश्किल होता है क्योंकि यह भाग मस्तिष्क में बहुत गहराई में स्थित होता है।
- इसका छोटा भाग बाकी मिर्च के दाने के बराबर आकार का होता है।
- हालांकि विशेष MRI प्रणाली द्वारा शोधकर्ताओं ने विजुअल थैलेमस का अवलोकन किया।
- शोधकर्ताओं ने पाया कि गैर-आक्रामक न्यूरोस्टिम्यूलेशन तकनीक डिस्लेक्सिया के लिये एक उपचार विधि हो सकता है लेकिन इसे विकसित करने में अभी वक्त लगेगा।

➢ MRI :

- यह एक गैर-आक्रामक निदान प्रक्रिया है, जिसका इस्तेमाल शरीर के अंदर मुलायम उत्तकों (tissues) की छवि लेने के लिये किया जाता है।

Result Mitra TM

- यह तकनीक चुंबक एवं रेडियो तरंगों का प्रयोग कर शरीर के आंतरिक भागों की छवियाँ बनाता है।
- X-ray एवं CT-Scan के विपरीत इस तकनीक में विकिरण का प्रयोग नहीं किया जाता है।
- इस तकनीक से हृदय, मस्तिष्क, Spinal Cord, लीवर सहित अन्य भागों की छवियाँ ली जा सकती है।
- अन्य इमेजिंग डायग्नोस्टिक तकनीकों से यह तकनीक ज्यादा बेहतर एवं स्पष्ट छवियाँ देने में सक्षम है।
- यह विभिन्न प्रकार के कैंसर सहित अन्य बीमारियों का पता लगाने में सक्षम है।
- यह विभिन्न प्रकार के कैंसर सहित अन्य बीमारियों का पता लगाने में सक्षम है।
- इसका पूरा नाम 'मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग' होता है।

➢ थैलेमस :

- यह मस्तिष्क के मध्य भाग में ब्रेन-स्टेज के ठीक ऊपर स्थित होता है।
- यह अग्र-मस्तिष्क का भाग होता है।
- इसे रिले (Relay) सेंटर के नाम से भी जाना जाता है।
- थैलेमस लगभग 60 छोटे भागों में बँटे होते हैं, जिनमें प्रत्येक को थैलेमस नाभिक कहा जाता है।
- यह चेतना का केन्द्र होता है तथा संवेदी जानकारियों को प्रेषित करता है।

Result Mitra